

डॉ. गैरी मीडर्स, ईश्वर की इच्छा जानना, सत्र 4a, पुराने नियम में ईश्वर की इच्छा, भाग 2

© 2024 गैरी मीडर्स और टेड हिल्डेब्रांट

GM4 के दूसरे भाग में आपका स्वागत है, पुराने नियम में परमेश्वर की इच्छा। दुर्भाग्य से, हमें लंबाई के कारण इसे विभाजित करना पड़ा। और आप अपने नोट्स में स्लाइड नंबर 23 पर हैं, बाइबिल में बुद्धि को परिभाषित करना, बिंदु संख्या पांच उस रूपरेखा के संदर्भ में जिसका हम वहां अनुसरण कर रहे हैं।

यह व्याख्यान 4B है। दूसरा व्याख्यान 4A होगा। यह GM4 का 4B है, और आप अपनी स्लाइड और नोट्स उपलब्ध करा सकते हैं।

मुझे पता था कि इतनी सारी सामग्री आने वाली है, और हम पहले से ही आखिरी व्याख्यान के सात मिनट, 70 मिनट तक थे। मैं समय का उल्लंघन नहीं करना चाहता था, जितना मुझे करना था। ठीक है, चलो फिर से मिलते हैं।

मैं आपको बस यह याद दिलाना चाहता हूँ कि हमारा पैटर्न यह है कि हम सभी पहले और बाद में प्रार्थना करते हैं, लेकिन हम कैमरे के सामने ऐसा नहीं करते हैं। और इसलिए मैं आपसे कहूँगा कि जब आप इस बात को सुनें तो ईश्वर से मदद माँगें। और मुझे उम्मीद है कि नोट्स आपको सामग्री को देखने, रुककर पाठ पढ़ने और सामग्री से निपटने में मदद करेंगे ताकि आप सीख सकें, न कि केवल सुन सकें।

आपको एक शिक्षार्थी होना चाहिए। ठीक है, आइए बाइबल में बुद्धि की परिभाषा पर जाएं, स्लाइड नंबर 23। ठीक है, अब बुद्धि के लिए हिब्रू शब्द होक्मा है, और यह पुराने नियम में काफी बार आता है।

सेप्टुआजेंट शब्द सोफिया है, जो शायद एक ऐसा शब्द है जिससे आप परिचित हैं। स्त्रीलिंग शब्द सोफी, बुद्धि शब्द का हिस्सा है। और जब सेप्टुआजेंट हिब्रू का अनुवाद करता है, तो यह आमतौर पर होक्मा को सोफिया के रूप में प्रस्तुत करता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसका उपयोग बहुत व्यापक रेंज को कवर करता है।

लेकिन इसके अनुवाद और इसके संदर्भगत अर्थ में बुद्धि शब्द के बारे में एक बात यह है कि इसका आमतौर पर कौशल से कुछ लेना-देना होता है, या तो नाव चलाने जैसा कुछ करने का कौशल या किसी चीज़ को समझने का कौशल, अपने अनुभव को समझने का कौशल। कौशल हमेशा इसके मूल में होता है, भले ही अनुवाद इसे कभी-कभी कौशल के रूप में प्रस्तुत करेंगे, कभी-कभी बुद्धि के रूप में। और चूँकि मेरे पास इस व्याख्यान के लिए थोड़ा अधिक समय उपलब्ध होने का लाभ है, इसलिए मैं छंदों को पहले से थोड़ा अधिक पढ़ने जा रहा हूँ।

पिछली बार, मैं 1901 के अमेरिकन स्टैंडर्ड संस्करण से पढ़ रहा था, और इसमें अभी भी किंग जिमी-प्रकार की भाषा का बहुत उपयोग किया गया है, और आप अवाक रह जाते हैं, इसलिए मैं अंग्रेजी मानक संस्करण का उपयोग करने जा रहा हूँ। हम इसे ESV कहते हैं, जो कि न्यू रिवाइज्ड स्टैंडर्ड का अनुवाद या प्रतिपादन या अपडेट है। यह कोई नया अनुवाद नहीं है, लेकिन यह अपडेट तरीके से उसका प्रतिपादन है।

ठीक है, चलिए अब आगे बढ़ते हैं और इस बारे में सोचते हैं। इसका उपयोग व्यापक दायरे में होता है। उदाहरण के लिए, यह तकनीकी कौशल के मुद्दे को कवर करता है।

निर्गमन अध्याय 28 और श्लोक 3 में, शायद आपने इन्हें पहले ही पढ़ लिया हो, लेकिन मैं अब आपको इन्हें पढ़कर सुनाता हूँ। निर्गमन अध्याय 28, मैं संदर्भ नहीं, केवल अंश पढ़ने जा रहा हूँ। आपको सभी कुशल लोगों से जुड़े रहना चाहिए।

ईएसवी में वह शब्द कुशल है, और हम पहले से ही बाइबल संस्करणों पर चर्चा कर चुके हैं, यह आपके से कुछ अलग हो सकता है। वह शब्द, वह होकमा के लिए शब्द है, वह ज्ञान के लिए शब्द है, उन सभी कुशल लोगों के लिए जिन्हें मैंने कौशल की आत्मा से भर दिया है।

फिर से यही है, और इसे कहने का यह एक दिलचस्प तरीका है, है न? कौशल की भावना। यह पवित्र आत्मा के बारे में बात नहीं कर रहा है। यह उनकी क्षमताओं और काम करने की योग्यता के बारे में बात करता है।

और इसलिए आपको ये कुशल लोग मिलेंगे जिन्हें मैंने और भी बढ़ाया है, जैसे कि वे मेरे पुजारी के लिए उसे पवित्र करने के लिए काम, वस्त्र बनाते हैं। इसलिए उन्होंने लोगों को अनुबंधित किया, और कई बार यह इज़राइल के भीतर था, शायद इस बिंदु पर, लेकिन ऐसे अन्य स्थान भी हैं जहाँ कौशल का उपयोग किया गया था, जैसे मंदिर के निर्माण में। उन्होंने अन्य शहरों, अन्य संस्कृतियों के लोगों को, वास्तव में, उन निर्माणों के लिए इस्तेमाल किया, और वे मंदिर निर्माण में कुशल थे।

और यह एक अलग विषय है जिस पर हम इस समय चर्चा नहीं कर सकते। इसलिए वे कुशल हैं, 28. 31:3, निर्गमन 31:3 को देखें। और मैंने उसे परमेश्वर की आत्मा से, योग्यता और बुद्धि, ज्ञान और सभी प्रकार की शिल्पकला से भर दिया है।

चोकमा शब्द उस अंश में आंतरिक है, जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं। श्लोक 4, कलात्मक डिजाइन तैयार करने, सोने, चांदी और कांस्य में काम करने, और जड़ने के लिए पत्थर काटने, लकड़ी की नक्काशी करने, हर शिल्प में काम करने के लिए। और देखो, मैंने दान के गोत्र के हमीशापाक के पुत्र ओहेलियाह को उसके साथ नियुक्त किया है।

और मैंने सभी योग्य लोगों को योग्यता दी है, ताकि वे सब कुछ बना सकें, जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है। तो यह योग्यता विचार, इन सभी लोगों के पास कौशल है। यह शब्द बुद्धि के रूप में अनुवादित नहीं है।

यह इसे अन्य तरीकों से अनुवादित करता है, और इसमें विविधता होगी। कभी-कभी, यह शब्द कौशल होता है। कभी-कभी, यह शब्द क्षमता होता है, और इसी तरह।

तो, लेकिन मुख्य बात जो मैं कहना चाहता हूँ वह यह है कि इसका सम्बन्ध, बुद्धि का सम्बन्ध कौशल से है। 1 इतिहास अध्याय 22 और श्लोक 15। हमारे पास थोड़ा अधिक समय का विशेषाधिकार है, इसलिए मुझे कुछ चीजें पढ़ने को मिलती हैं।

1 इतिहास 22:15. फिर से आना, जो कभी भी एक अच्छा विचार नहीं है। आपके पास कारीगरों, पत्थर काटने वालों, राजमिस्त्रियों, बढ़ई और सभी प्रकार के कारीगरों की बहुतायत है, जो अनगिनत और कुशल हैं।

हमारे पास शब्द है, होकमा, बुद्धि, और काम करने का कौशल। हम और भी बहुत कुछ कह सकते हैं। तो यह तकनीकी कौशल है।

एक जगह है जहाँ योना जहाज़ पर था, और उस जहाज़ के कप्तान के बारे में बताया गया है। उसमें कहा गया है कि वह कुशल था और वह तूफ़ान को नियंत्रित नहीं कर सकता था। बहुत कुशल।

इसलिए आपके अनुवादों में कौशल शब्द के नीचे अक्सर बुद्धि शब्द होगा क्योंकि बुद्धि ही कौशल है। हमारे विवेक के विषय में, बुद्धि शास्त्रों का अध्ययन करने, अपने विश्वदृष्टिकोण और मूल्यों को शामिल करने और निर्णय लेने का कौशल है। आइए यहाँ चलते हैं।

यहाँ बहुत करीब से देखते हुए देखेंगे।

अब, इसलिए, फिरौन ने एक समझदार और बुद्धिमान व्यक्ति को चुना और उसे मिस्र की भूमि पर भेजा। अब, यह तब की बात है जब वे अकाल और अनाज की कमी को देख रहे थे, और उसे इसे प्रबंधित करने के लिए किसी की आवश्यकता थी। उसे एक बुद्धिमान व्यक्ति की आवश्यकता थी।

लेकिन आप देखिए, यह वही शब्द है। और यहाँ क्या मतलब है? उसे व्यापार और प्रबंधन में कुशल किसी व्यक्ति की ज़रूरत थी ताकि अकाल आने पर वे भूखे न रहें। उसे मिस्र की भूमि पर भेजा।

देखते हैं मैं कितना पढ़ना चाहता हूँ। 33 और 39. मैं यह सब नहीं पढ़ने वाला हूँ।

फिरौन ने भूमि पर पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया और उपज का दसवां हिस्सा लिया, और इसी तरह आगे भी। लेकिन यह एक ऐसा व्यक्ति था जो बुद्धिमान था, लेकिन यह बुद्धिमानी नहीं थी, यह कौशल था। यह ज्ञान के रूप में कौशल था।

ठीक है? अय्यूब अध्याय 12, श्लोक 2, श्लोक 1। तब अय्यूब ने उत्तर दिया और कहा, " निःसंदेह तुम लोग हो, और बुद्धि तुम्हारे साथ ही मर जाएगी, परन्तु मेरे पास तुम्हारे समान ही समझ है। ध्यान दें कि बुद्धि और समझ शब्द यहाँ समानांतर हैं। परन्तु यहाँ बुद्धि शब्द है।

हम यह भी कह सकते हैं कि आपके ज्ञान का कौशल आपके साथ ही खत्म हो जाएगा। वे इसे ESV में बुद्धि के अनुवाद के रूप में इस्तेमाल करते हैं। मेरे पास अन्य संस्करणों की एक किताब है, यह देखने के लिए कि वे क्या करते हैं, लेकिन शब्द यही है।

लेकिन यहाँ, अवधारणा ज्ञान की है। और जैसा कि समानांतर कहता है, मेरे पास भी आपकी तरह ही समझ है। मैं आपसे कम नहीं हूँ।

तो इसका सम्बन्ध समझ और आपकी बौद्धिक क्षमताओं से है। आइये अय्यूब की आयत 2, आयत 12 को देखें। बुद्धि वृद्धों में होती है और समझ दिन की लम्बाई में होती है।

इसे ही समानार्थी समानता के रूप में जाना जाता है। बुद्धि और समझ समान हैं। पहला वाक्यांश एक शब्द देता है, और अगला वाक्यांश दूसरा शब्द देता है।

हम इसे कुछ अन्य स्थानों पर भी देखेंगे। बुद्धि वृद्धों के पास होती है और समझ दिनों की लंबाई में होती है। हमारी संस्कृति में, अमेरिका में, संयुक्त राज्य अमेरिका में, वृद्ध लोगों को अलग रखा जाता है।

उन्हें बेकार समझा जाता है। और हो सकता है कि कुछ लोग ऐसा ही सोचते हों, लेकिन सच्चाई यह है कि कई मायनों में, उनके पास समय और अनुभव की समझ और ज्ञान प्राप्ति की क्षमता होती है। और उन्हें दरकिनार करना एक बुरा विचार और खतरनाक बात है।

तो, बुद्धि अनुभव के संबंध में समझ है। यशायाह अध्याय 5 और श्लोक 21 में, हम पहले ही श्लोक देख चुके हैं जो हमारी शिक्षा के अन्य भागों से संबंधित हैं। मुझे इस पर बात करने दीजिए।

यशायाह 5:21 में लिखा है, हाय उन पर जो अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हैं। दूसरे शब्दों में, वे अपनी दृष्टि में चतुर हैं। देखिए, बुद्धिमान और चतुर एक ही जैसे हैं।

अपनी नज़र में बुद्धिमान, चतुर। दूसरे शब्दों में, वे कुशल हैं। इस तरह के अंश में, मैं कहूँगा कि वे शायद बुराई करने में कुशल हैं।

वे चालाकी से काम करने में माहिर हैं। सभी पंथ नेता कुशल हैं। आप कह सकते हैं कि वे बुद्धिमान हैं।

खैर, मैं उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहूँगा। मैं उन्हें कुशल कहना चाहूँगा ताकि बुद्धिमान शब्द को गलत न समझा जाए। इसलिए, बुद्धि, चतुराई और समझदारी का यह मुद्दा कई मौकों पर समानांतर है।

इसलिए जब हम बुद्धि की बात करते हैं, तो हम कौशल की बात कर रहे होते हैं। बुद्धिमान व्यक्ति होने का क्या मतलब है? इसका मतलब है एक ऐसा व्यक्ति जो जीवन जीने में कुशल है, परमेश्वर की आज्ञा मानने में कुशल है, और शास्त्रों की जांच करने में कुशल है ताकि हम एक परिवर्तित मन प्राप्त कर सकें। और उससे, हमारे पास एक विश्वदृष्टि, एक मूल्य परिसर है जिसे हम पहचान सकते हैं और लागू कर सकते हैं।

अब, पाठ का अनुवाद एक कौशल के रूप में किया जाता है। अलग-अलग अनुवाद विविधता प्रदान करेंगे, लेकिन अब आपने अनुवादों की तुलना करना सीख लिया है। और अगर आपके पास बाइबल की भाषाओं को समझने की क्षमता है, तो इससे और भी ज़्यादा मदद मिलेगी।

लेकिन आप अपने पास मौजूद अनुवादों पर जा सकते हैं। आपको उस बारे में जानकारी होनी चाहिए। मैंने आपको यह जानकारी देने की कोशिश की है कि अनुवाद किस तरह से काम करता है।

तो यह शब्द जिसका अनुवाद कौशल है और अलग-अलग अनुवादों के साथ अनुवादित है, इससे निपटेगा, लेकिन आपको यह ध्यान देने में सक्षम होना चाहिए कि इसका दिन के अंत में कौशल से कुछ लेना-देना है। तो बुद्धि कौशलपूर्ण जीवन जीना है। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढना चाहते हैं जो कहता है, बुद्धिमान होने का क्या मतलब है? इसका उत्तर है कि बुद्धि कौशलपूर्ण जीवन जीना है।

इसका मतलब है कि मैं जीवन को समझता हूँ और उसके अनुसार कुशलता से जीता हूँ। मैं परमेश्वर के वचन को समझता हूँ, और मैं उस वचन के अनुसार जीने में कुशल हूँ। लेकिन यही बुद्धि के पूरे विचार का मूल और आधार है।

मुझे लगता है कि हम इस घटना को भूल जाते हैं। हम ज्ञान शब्द को एक तरह से अलौकिक रूप में देखते हैं। मेरे पिताजी, मुझे नहीं पता कि मैंने आपको यह उदाहरण के तौर पर बताया या नहीं, लेकिन मैं कई मौकों पर अपने पिताजी के साथ था, और हम किसी दूसरे आदमी से बात कर रहे थे जिसे मेरे पिताजी जानते थे।

जब हमारा काम खत्म हो गया, तो पिताजी चले गए। उन्होंने मुझसे कहा, बेटा, वह एक बुद्धिमान व्यक्ति है। सुनो वह क्या कहना चाहता है।

क्या आप जानते हैं कि मेरे पिताजी का क्या मतलब था? वह वही कहते हैं जो मुझे सुनना अच्छा लगता है। उनका वास्तव में यही मतलब था। मैं उनसे सहमत था।

इसलिए आपको यह तय करना होगा कि कोई व्यक्ति बुद्धिमान है या नहीं, सिर्फ़ इस आधार पर नहीं कि वे अच्छे लगते हैं, बल्कि एक अच्छे रूपांतरित दिमाग, विश्वदृष्टि और मूल्यों के साथ सहसंबंध स्थापित करने में सक्षम हैं ताकि उनकी सलाह और उनके निर्णय अच्छे हों। अब, ऐसे बहुत से ग्रंथ हैं जो हुक, हानि और कौशल का वर्णन करते हैं। और यहाँ उनमें से कुछ ही हैं।

आपको मिल गया, धन्यवाद। निर्गमन, मैं तुम्हें ये नहीं पढ़ने जा रहा हूँ। निर्गमन 35:26, बुनाई का कौशल।

यह संभवतः निवासस्थान के निर्माण के संबंध में था। वहाँ इस्तेमाल किए गए शब्द उन लोगों के लिए बहुत हैं जिन्हें वस्त्र और खाल और सभी निर्माण करने के लिए प्राप्त किया गया था। निर्गमन 35, फिर से, सिखाने की क्षमता या कौशल है।

अब, अगर एक अच्छा शिक्षक एक बुद्धिमान व्यक्ति है, तो क्यों? क्योंकि वह कुशलता से आपको शास्त्रों को समझने में मदद कर सकता है। निर्गमन 36, पवित्रस्थान बनाने का कौशल। एक बढ़ई लकड़ी के साथ एक बुद्धिमान व्यक्ति है।

उनके पास निर्माण करने का कौशल है, दो बार मापने का कौशल है, और केवल एक बार काटने का, जैसा कि कहावत है। दूसरा इतिहास, कच्चे माल और निर्माण के साथ कौशल। मैं समय-समय पर श्रमिकों को देखता हूँ, जैसे कि विलफोर्ड या कुछ और।

उनके पास बहुत कौशल है, और वे बुद्धिमान हैं। वे जानते हैं कि उस रास्ते पर कुछ स्थितियों में नहीं पड़ना चाहिए क्योंकि उनके कौशल ने उन्हें उस तरह के निर्णय लेने का अनुभव दिया है। सभोपदेशक 2, काम करने का कौशल या कैरियर के लिए कौशल।

आप व्यापार में बुद्धिमान हो सकते हैं। इसका मतलब है कि आप व्यापार में कुशल हैं, ठीक है? सभोपदेशक 10, कुल्हाड़ी चलाने का कौशल। प्राचीन दुनिया में, यह शुरुआती अमेरिका में बहुत महत्वपूर्ण था जब उन्होंने जंगलों को साफ किया और नष्ट कर दिया, स्पष्ट रूप से।

यह आश्चर्यजनक है कि ये लोग पाँच फ्रीट चौड़े पेड़ों को कुल्हाड़ी से काटने में कितने कुशल थे। यहजेकेल 28, व्यापार में कुशल। सुलैमान को एक शासक के रूप में बुद्धिमान कहा गया था।

इसका मतलब था कि वह कुशल था। जब दो महिलाएँ एक बच्चे के साथ उसके पास आईं, तो उसकी बुद्धि सामने आई, और असली माँ बच्चे की रक्षा करने के लिए आगे आई, और इससे पता चला कि असली माँ कौन थी। यह बुद्धि थी, लेकिन उस स्थिति से निपटना और उचित निष्कर्ष पर पहुँचना कौशल था।

तो, ज्ञान और शास्त्र। और सामान्य दुनिया में, स्पष्ट रूप से कहें तो, अगर हम वास्तव में इसकी बारीकी से जांच करें, क्योंकि ज्ञान अपने आप नहीं होता। यह एक ऐसा वाक्यांश है जिसका अर्थ है स्वयं-उत्पत्ति।

बुद्धि अपने आप नहीं आती। यह सीखने से आती है। यह अनुभव से आती है, और आमतौर पर, उम्मीद है, यह उम्र के साथ आती है।

और यह हर जगह लागू होता है। बुरे लोग बुराई करने में कुशल होते हैं। ईश्वरीय लोग ईश्वर की आज्ञाकारिता में कुशल होते हैं।

इसलिए, बुद्धि कौशलपूर्ण शिक्षा है, जो हमें जीवन जीने के लिए परमेश्वर की शिक्षा को लागू करने में कुशल बनाती है। माई सन कविताएँ पढ़ें, जो नीतिवचन 1 से 9 हैं, और ध्यान दें कि सुलैमान अपने बेटे को क्या करने का कौशल देना चाहता था। नीतिवचन वास्तव में इस बात का प्रतिपादन है कि अपने परिवेश में कुशल और बुद्धिमान होने का क्या मतलब है, और यही बुद्धि है।

बुद्धि कौशल है। बुद्धि सिर्फ किसी ऐसे व्यक्ति का नाम नहीं है जिसके पास कोई विचार हो और वह अच्छा लगे। बुद्धि जीवन, शास्त्र और अपने पेशे से तर्क की रेखाओं को जोड़ने का कौशल है ताकि आप उस संबंध में सफल होने की क्षमता दिखा सकें।

ठीक है, स्लाइड 25. ज्ञान पर क्लासिक पाठ. यहाँ एक ऐसा पाठ है जो अद्भुत है.

मुझे नहीं पता कि मैंने इसे नीतिवचन में क्यों नहीं लिखा। डर, लेकिन आप दिल से जानते हैं, मुझे लगता है कि यह नीतिवचन 9:10 है, कहीं, 10, 9:10। मैं इसे हमेशा समझता हूँ।

प्रभु का भय बुद्धि की शुरुआत है, और पवित्र परमेश्वर का ज्ञान समझ है। हर कोई पहले आधे हिस्से को उद्धृत कर सकता है। प्रभु का भय बुद्धि की शुरुआत है।

मैं ऐसे बहुत से लोगों को नहीं जानता जो दूसरे भाग का अनुसरण कर सकें, और फिर भी दूसरा भाग, हिब्रू कविता में समानांतरता के रूप में, पहले भाग को परिभाषित करता है, और पवित्र का ज्ञान समझ है। मैंने वहाँ पीले रंग में लिखा है कि भय ज्ञान के बराबर है और इसके विपरीत, और बुद्धि समझ के बराबर है। इसलिए ईश्वर से डरना ईश्वर को जानना और ईश्वर का ज्ञान प्राप्त करना है।

यह सिर्फ ईश्वर से डरना नहीं है, बल्कि सम्मान रखना है। यह समझ का एक गहरा स्तर है जहाँ आप ईश्वर का इस तरह सम्मान करते हैं कि आप जानते हैं कि अवज्ञा करने से वास्तविक भय समीकरण में प्रवेश करेगा। इसलिए, प्रभु का भय ज्ञान की शुरुआत है।

पवित्र परमेश्वर का ज्ञान ही समझ है। बुद्धि क्या है? बुद्धि ही समझ है। बुद्धि अंधेरे में तीर चलाने जैसा नहीं है।

मैं आपको एक उदाहरण देता हूँ जो मददगार हो भी सकता है और नहीं भी। लेकिन पिता घर के बेसमेंट में हैं, और नीचे जाने के लिए लकड़ी की पुरानी सीढ़ियाँ हैं। लेकिन उन्होंने लाइटें नहीं जलाई हैं क्योंकि वहाँ पर्याप्त रोशनी है जिससे उन्हें पता चल जाता है कि क्या हो रहा है।

लेकिन यह छोटी सी बच्ची, लगभग तीन या चार साल की, सीढ़ियों के ऊपर है, और वह नीचे नहीं आ पा रही है। और वह कहती है, डैडी, अगर मैं कूदूँगी, तो क्या आप मुझे पकड़ लेंगे? अब वह कहाँ कूद रही है? अंधेरे में। वह कहती है, डैडी, क्या आप मुझे पकड़ लेंगे? और डैडी कह सकते हैं, ओह, ऐसा मत करो।

या डैडी कह सकते हैं, हाँ, मैं तुम्हें पकड़ लूँगा। और वह कूद जाती है। और अंदाज़ा लगाइए क्या? डैडी ने उसे पकड़ लिया।

बहुत से लोग इस तरह के उदाहरण को आस्था के रूप में इस्तेमाल करेंगे। क्या आपके पास कूदने के लिए आस्था है? लेकिन समस्या यह है। आस्था किसमें कूदने के लिए है? अंधेरे में।

और यह दृष्टांत उस बिंदु पर टूट जाता है क्योंकि विश्वास कभी भी अंधेरे में नहीं कूदता। यह प्रकाश में कूदता है। उस दृष्टांत को बाइबिल जैसा बनाने के लिए, डैडी को बस प्रकाश चालू करने की ज़रूरत है ताकि छोटी लड़की उन्हें देख सके।

उसका विश्वास हकीकत बन जाता है। ये पापा हैं। वो मुझे पकड़ने वाले हैं।

अब बुद्धि का मतलब है समझ। यह कोई अनाज नहीं है। और अमेरिका में, हमारे पास एक कैंडी बार का विज्ञापन था।

कैंडी बार का नाम था बादाम जॉय। यह बादाम जॉय की तरह था। इसमें नारियल, चॉकलेट और बादाम की परत थी।

बहुत बढ़िया अगर आपको एक पाने का मौका मिले। ठीक है। बादाम जॉय कैंडी बार।

टीवी पर उनका एक विज्ञापन था। और वे अपना कैंडी बार पेश करते थे। और फिर टैगलाइन यह थी।

यह अवर्णनीय रूप से स्वादिष्ट है। अवर्णनीय रूप से स्वादिष्ट। यह बहुत अच्छा है।

खैर, मैं इसे बुद्धि और विश्वास के उदाहरण के रूप में इस्तेमाल करना पसंद करता हूँ। विश्वास और बुद्धि अवर्णनीय रूप से स्वादिष्ट नहीं हैं। जैसे कि वह छोटी लड़की एक अंधेरे तहखाने में कूद गई।

यह अवर्णनीय था कि वह अपने पिता पर कितना भरोसा करती थी, जिन्हें वह देख नहीं सकती थी। लेकिन सुनिए, बाइबल रोशनी जलाती है। यह रोशनी जलाती है।

तो अब यह अवर्णनीय रूप से स्वादिष्ट नहीं है, लेकिन यह वर्णन करने योग्य है। बुद्धिमत्ता यादृच्छिक चीजें नहीं हैं जो हमारे दिमाग में आती हैं जब तक कि यह अनुभव और इसी तरह का परिणाम न हो। यहाँ यह मनोवैज्ञानिक रूप से जटिल हो जाता है।

लेकिन सच तो यह है कि भय ही ज्ञान है। बुद्धि ही समझदारी है। यह परमेश्वर की आज्ञा मानने का कौशल है।

मैंने समानता के बारे में बताया और तुम्हें समझाया। भय केवल भय नहीं है, बल्कि अपने प्रभु के प्रति समर्पण का भाव है। इसके आधार पर तुम प्रभु को जानोगे और केवल उसी की सेवा करोगे।

डर विफलता के परिणामों से संबंधित है। प्रभु की सेवा करना एक और वाक्यांश है। डर और सेवा वास्तव में पवित्रशास्त्र में लगभग एक युगल बन गए हैं।

प्रभु की सेवा करने के लिए प्रभु से डरो। तो, डरना सेवा करना है। डरना जानना और समझना है।

तो खुद ही इस पर गौर करें। इन शब्दों पर अपना बाइबल अध्ययन करें। यह बहुत ही दिलचस्प है।

तो ज्ञान, भय, बुद्धि, ये सभी आपस में जुड़े हुए हैं। ठीक है, अब मैं आगे बढ़ने के लिए तैयार हूँ। बुद्धि का मतलब है कुशलता से जीना।

इसलिए बुद्धि का मतलब यह नहीं है कि आप वही करें जो आपको सही लगे, या वह करें जो उस बुजुर्ग व्यक्ति को सही लगे जिसने आपको बताया है। आप ऐसा नहीं करते, और बुद्धि ऐसी चीज है जिसके बारे में आपको निर्णय लेना होता है। हो सकता है कि आपके चर्च में बुजुर्गों का एक बोर्ड हो जो कल्याणकारी हो।

हो सकता है कि वे उम्र में भी बड़े हों और अनुभवी भी हों। लेकिन जब आप उन्हें काम करते हुए देखते हैं, तो आपको पता चलता है कि उनके पास ज़्यादा कौशल नहीं है। वे सही सवाल नहीं पूछ रहे हैं।

और अगर आप सही सवाल नहीं पूछेंगे, तो आपको गलत जवाब मिलेगा। और इसलिए यह जीवन में एक बहुत ही पेचीदा बात है। बुद्धिमानी का मतलब यह नहीं है कि आप वही करें जो आपको सही लगे।

आपको हमेशा यह नहीं पूछना चाहिए कि क्या समझ में आता है, बल्कि यह पूछना चाहिए कि क्या सही है, क्या उचित है, और मेरे मूल्यों के विश्वदृष्टिकोण के साथ सबसे अच्छा क्या है क्योंकि मैं उन्हें पहचानता हूँ और उन्हें जीवन में लागू करता हूँ। अब, हम सभी को मदद की ज़रूरत है। और कभी-कभी हम सोच सकते हैं कि हम सही हैं जब हम गलत होते हैं, नैतिक रूप से नहीं, बल्कि जीवन जीने की समझदारी, कौशलपूर्ण जीवन जीने के व्यवसाय में।

इसीलिए हमारे पास एक समुदाय है। इसलिए, अगर आप कहते हैं कि बुद्धिमानी का मतलब है वो करना जो आपको सही लगता है, तो आप एक व्यावहारिक व्यक्ति हैं। एक व्यावहारिक व्यक्ति वो करता है जो मुझे सही लगता है।

यह सही है या गलत, इसके लिए कोई तर्क नहीं है। यह सिर्फ वही है जो मुझे समझ में आता है। यह निर्णय लेने का तरीका नहीं है।

अब, यदि आप विशेष रूप से कुशल हैं, तो जो आपको समझ में आता है वह अच्छा हो सकता है, लेकिन यह वह प्रतिमान नहीं है जिसे आप किसी और को प्राप्त करना चाहते हैं क्योंकि आप इस तथ्य के संदर्भ में उनसे बहुत आगे हैं कि जो आपको समझ में आता है वह उस परिवर्तित दुनिया के माध्यम से संसाधित किया गया है। इसलिए इससे सावधान रहें। एक बुद्धिमान निर्णय वह है जिसमें आप तर्क की रेखाएँ दिखा सकते हैं जो बाइबिल की विश्वदृष्टि प्रणाली से निर्णय तक जाती हैं।

दूसरे शब्दों में, आप कभी भी कोई काम गलती से नहीं करते। आप सोच सकते हैं कि आप गलती से करते हैं, लेकिन आंतरिक रूप से भी, आपका दिमाग इस तरह से काम कर रहा है कि आप उस काम में लग गए। और आपने उसे रोका नहीं।

आपने शायद सोचा होगा, लेकिन आपने मूल्यांकन नहीं किया। आपके पास तर्क की रेखाएँ होनी चाहिए जो बाइबिल के विश्वदृष्टि मूल्य प्रणाली से निर्णय तक जाती हैं। आपको इस सवाल का जवाब देने में सक्षम होना चाहिए, क्यों? जब मैं सेमिनरी में पढ़ाना शुरू करने से पहले कॉलेज में कुछ समय के लिए पढ़ा रहा था, तो मेरे कार्यालय में छात्र आते थे।

और वे मेरे दफ़्तर में आए, और मैंने उन्हें दालान में देखा। वास्तव में, दालान में, आप उनके बीच से गुजरने की हिम्मत नहीं कर सकते थे क्योंकि वे, आप जानते हैं, आपको उनके चारों ओर से गुजरना पड़ता था क्योंकि वे आपसे बहुत प्यार करते थे। इसलिए, वे मेरे दफ़्तर में आए और मेरी मेज़ के सामने बैठ गए, और उन्होंने कहा, उन्होंने कहा, हमने शादी करने के बारे में सोचा।

और तुम्हें पता है मेरा पहला सवाल क्या है? क्यों? और वे मुझे इस तरह देखते हैं, क्या तुम बेवकूफ हो? क्या तुमने हमें नहीं देखा? क्या तुमने नहीं देखा कि हम एक दूसरे के बिना नहीं रह सकते और हम बस एक दूसरे के बारे में गाते हैं और हम एक दूसरे का समर्थन करना चाहते हैं? क्या तुमने यह नहीं देखा? तुम हमसे क्यों पूछोगे? तुम्हें पहले से ही पता होना चाहिए। खैर, मेरा सवाल भी वही है। तुम शादी क्यों करना चाहते हो? और फिर तुम्हें पता है कि उनका अगला जवाब यह होगा: क्योंकि हम एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं।

हम बस हर समय एक दूसरे के साथ रहना चाहते हैं। क्या आप जानते हैं कि मेरा अगला सवाल क्या है? क्यों? क्यों? क्योंकि ये जवाब स्पष्टीकरण नहीं हैं। ये भावनाएँ हैं।

वे अनुभव हैं जो पर्याप्त रूप से अनुभव नहीं किए गए हैं। ठीक है। और इसलिए मैं यह सवाल पूछता रहता हूँ कि क्यों, एक बच्चे की तरह जो आपके पास आता है और वास्तव में ईमानदारी से दुनिया को समझना चाहता है और आपसे पूछता है कि क्यों, क्यों, क्यों।

कुछ समय बाद, आप इतने थक जाते हैं कि आपको समझ नहीं आता कि क्या करें। और आप उनमें से कुछ सवालों का जवाब भी नहीं दे पाते। वे आपके समझ से परे होते हैं।

इसलिए आप इस सवाल का जवाब दे सकते हैं कि क्यों, अगर आपके पास बाइबिल के विश्वदृष्टिकोण और मूल्य प्रणाली से लेकर उनके निर्णय तक के तर्क हैं। अब, यहाँ चाल है। सिर्फ इसलिए कि आपने बाइबिल के विश्वदृष्टिकोण और मूल्य प्रणाली को नहीं पहचाना है, इसका मतलब यह नहीं है कि आप सही हैं।

पॉल ने जब ईसाइयों को सताया था, तब उसके पास बाइबिल का विश्वदृष्टिकोण और मूल्य प्रणाली थी। वह अपने मूल्यों और विश्वदृष्टिकोण में बहुत मजबूत था। यीशु को उसे दमिश्क की सड़क पर ले जाना पड़ा और कहना पड़ा कि देखो पॉल, मुझे तुम्हारी ज़रूरत है, और तुम आओगे। तुम

बेहतर सोचना शुरू कर दोगे। उसने अपने विश्वदृष्टिकोण और मूल्य प्रणाली को भी सही संस्करण में बदल दिया।

इसलिए लोगों और ईसाइयों और यहाँ तक कि नेताओं को भी मैंने कई बार देखा है कि उनके पास एक विश्वदृष्टि और मूल्य प्रणाली होती है, और वे इसे जानने के लिए काफी समझदार भी हो सकते हैं। लेकिन वे इसके अनुप्रयोग में स्पष्ट रूप से बुरे हो सकते हैं क्योंकि उन्होंने अपनी प्रणाली का आत्म-आलोचनात्मक मूल्यांकन नहीं किया है।

मैंने कई मौकों पर नेताओं को देखा है, और हम उन्हें प्राइमा डोना कहते हैं। वे आत्ममुग्ध होते हैं। वे आत्मकेंद्रित होते हैं।

वे सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं। उनके पास ऐसे विचार हैं जो किसी काम को करने के उचित तरीके से मेल नहीं खाते। मैंने स्कूलों में राष्ट्रपतियों को देखा है।

ईसाई स्कूलों में यह एक बीमारी है। राष्ट्रपति आते हैं और हर चीज़ को अपने हिसाब से ढाल लेते हैं। वे इसे अपना नज़रिया कहेंगे।

लेकिन शिक्षा में यह दृष्टिकोण संकाय और स्कूल के इतिहास द्वारा निर्धारित किया जाता है कि किसी छात्र को शिक्षित करने का क्या मतलब है। आप आकर सब कुछ बिगाड़ नहीं सकते। आप आते हैं, आप इसे सीखते हैं, आप इसका समर्थन करते हैं।

कुछ संशोधन हो सकते हैं, लेकिन आप अपने आप में एक राज्य नहीं हैं। इसलिए बुद्धि और कुशल जीवन जीने के बारे में यह पूरी बात स्वतः उत्पन्न नहीं होती। यह हमारे दिमाग में अचानक से नहीं आती, बल्कि यह परमेश्वर के वचन के पाठ और उससे जुड़ी सभी चीज़ों में लगातार और निरंतर काम करने का नतीजा है, जिनकी हमें एक तरह से ज़रूरत है।

तो, यहाँ तीसरा बिंदु यह है कि बाइबल आपके सवालों और निर्णयों पर कैसे लागू होती है, इस संबंध में निर्णय लेने में बुद्धि और कौशल होना चाहिए। आप क्यों के सवाल का जवाब दे सकते हैं। भले ही आपको कुछ समायोजन की आवश्यकता हो, फिर भी आप क्यों के सवाल का जवाब दे सकते हैं।

विशेषकर तब जब दावा करने के लिए कोई विशेष पाठ उपलब्ध नहीं है, अब बात यहीं पर आकर रुकती है, आप विश्वदृष्टि और मूल्यों के अनुप्रयोग में देख सकते हैं।

जब आपके पास कोई प्रूफ़ टेक्स्ट न हो, तो उसे खोजने के लिए बाइबल में न जाएँ क्योंकि आप उसे बना लेंगे। यह वैसा नहीं होगा जैसा बाइबल में है। लेकिन ऐसी स्थिति होती है जहाँ आपके पास प्रत्यक्ष शिक्षा नहीं होती, जैसा कि हमने बात की।

प्रत्यक्ष, निहित, रचनात्मक निर्माण। आपको अभी भी इसका उत्तर देना है, और आपको अभी भी निहितार्थ और निर्माण स्तरों के माध्यम से शास्त्र के साथ काम करने में सक्षम होना है ताकि बुद्धिमान निर्णय ले सकें और जीवन को उचित रूप से आगे बढ़ा सकें। अब, मैं अपने व्याख्यानो

के अंत में गैरी फ्राइसन के कार्यों का मूल्यांकन करने जा रहा हूँ, लेकिन मैं इस समय यहाँ एक बयान देना चाहता हूँ क्योंकि यह ज्ञान के बारे में बात करने के संदर्भ में है।

फ्राइसन ने एक अद्भुत काम किया जब उन्होंने डिजीजन मेकिंग एंड द विल ऑफ गॉड लिखा। यह एक शोध प्रबंध था जो उन्होंने डलास सेमिनरी में किया था, और उन्होंने वास्तव में अमेरिका में केसविक आंदोलन का मूल्यांकन किया। यह एक बहुत ही व्यक्तिपरक आंदोलन था जिसने ईश्वर की इच्छा जानने के बारे में ऐसे विचार बनाए जो पूरी तरह से आधारहीन थे।

वे बहुत लोकप्रिय थे, और उन्होंने उनका मूल्यांकन करने का अच्छा काम किया। लेकिन उन्होंने अपना दृष्टिकोण भी प्रस्तुत किया, और इसमें बहुत कुछ अच्छा है। मैंने वास्तव में एक बाइबल कॉलेज में पढ़ाए जाने वाले नैतिकता वर्ग के एक भाग में पाठ में उनकी पुस्तक का उपयोग किया था।

और यह उस विशेष स्कूल में बैपटिस्टों के व्यक्तिपरकता के परिदृश्य पर एक बड़ा धमाका था। इसे इस्तेमाल करने के कारण मुझे नौकरी से निकाल दिया गया क्योंकि उन्हें यह पसंद नहीं आया कि यह क्या प्रस्तुत कर रहा था। और मैंने गैरी फ्राइसन से बहुत कुछ सीखा।

लेकिन गैरी फ्राइसन में भी कुछ कमियाँ हैं। और बहुत से लोग कहेंगे, ठीक है, आपके और फ्राइसन के विचार समान हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि आप मेरे विचार को नहीं समझते।

और हाँ, हमेशा समानताएँ होती हैं। हम एक ही बाइबल का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन गैरी फ्राइज़न और मेरे बीच निर्णय लेने और समझदारी से काम लेने के मामले में बहुत बड़ा अंतर है।

फ्राइज़न का बुद्धिमत्ता के बारे में सिद्धांत यह है, जैसा कि उनके मूल प्रकाशन के पृष्ठ 199 से उद्धृत किया गया है, जो मुझे लगता है कि उनका सबसे अच्छा है। उन्होंने, मुझे लगता है, 25वीं वर्षगांठ को फिर से दोहराया, लेकिन यह उनकी पहली वर्षगांठ जितना शक्तिशाली नहीं था। उन्होंने यह गैर-नैतिक निर्णयों में कहा, ठीक है? दूसरे शब्दों में, ऐसे निर्णय जहाँ आपको प्रत्यक्ष शिक्षा नहीं मिलती।

ईसाई का उद्देश्य बुद्धिमानी से निर्णय लेना है। मैं सहमत हूँ। और फिर वह कहता है, आध्यात्मिक सुविधा के आधार पर।

वाह। अब यह आपका ध्यान आकर्षित करता है। और आप उसकी किताब में जा सकते हैं, और वह उस पर थोड़ा विस्तार से बताएगा।

लेकिन वह इसे उस तरह से नहीं खोलता जिस तरह से बाइबल ज्ञान को खोलती है। वह इसे उस तरह से नहीं खोलता जिस तरह से नैतिक सिद्धांत या दार्शनिक श्रेणियाँ इसे खोलती हैं। यह ज्ञान की अवधारणा का एक बहुत ही सामान्य और स्पष्ट रूप से, सामान्य रूप से खोलना है।

और यह सिर्फ़ तैरता नहीं है। यह आपकी मदद कर सकता है। इसने बहुत से लोगों की मदद की है, और यह एक बहुत बड़ी बात थी।

लेकिन हमारा नज़रिया बिल्कुल एक जैसा नहीं है। बुद्धि के बारे में हमारे विचार अलग-अलग ग्रहों पर हैं। मुझे लगता है कि बुद्धि के बारे में मेरा विचार सीधे तौर पर बाइबल में बुद्धि की अवधारणा के बारे में शास्त्रों में जो सिखाया गया है, उससे जुड़ा है, और कुशलता से जीना, और आप इसे प्रत्यक्ष शिक्षण, व्यावहारिक शिक्षण और नई संरचनाओं के निर्माण के माध्यम से कैसे प्राप्त करते हैं।

चोकमा। और वैसे, इसमें मध्यम हिब्रू, चोकमा के साथ सी होगा, क्योंकि प्रारंभिक एच एक कठोर एच है। चोकमा, हालांकि, सुविधा की तुलना में एक उच्च मानक स्थापित करता है। सुविधा आपकी अपनी व्यक्तिगत समझ पर वापस जाती है कि आपके पास कुछ साबित करने के लिए तर्क की रेखाएँ नहीं हैं।

आप बस वही करें जो आप सोचते हैं। अब, यह इतना आसान नहीं हो सकता है, और मुझे यकीन है कि कोई भी इसे इतना आसान समझेगा। लेकिन सच्चाई यह है कि दिन के अंत में, यह उसी तरह सामने आता है।

कथन में आध्यात्मिक शब्द का गलत इस्तेमाल, आध्यात्मिक सुविधा, यह वाक्यांश बाइबल के कथनों से भी संबंधित नहीं है। आध्यात्मिक शब्द केवल नए नियम में है। आध्यात्मिकता केवल चार बार तब आती है जब कोई व्यक्ति आध्यात्मिक होता है।

आपको आध्यात्मिक भोजन और आध्यात्मिक चट्टान मिल गई है, लेकिन यह एक विशेषण है। वास्तव में, आध्यात्मिक शब्द आध्यात्मिक सुविधा है। लेकिन आध्यात्मिक क्या है? खैर, मैं बाद में आपसे इस बारे में बात करने जा रहा हूँ।

लेकिन जब वह इसे इस वाक्यांश में डालता है, तो यह उस प्रतिमान जितना ही व्यक्तिपरक होता है जिसका वह वास्तव में मूल्यांकन कर रहा होता है। मैं बाद में और अधिक कहूँगा, लेकिन अभी के लिए इतना ही काफी है। हालाँकि, चोकमा ने सुविधावाद से भी उच्च मानक स्थापित किया है।

आध्यात्मिक शब्द का दुरुपयोग करने से कोई मदद नहीं मिलती। ब्रेज़न की बुद्धि की अवधारणा अपूर्ण है। बुद्धि के लिए अधिक बाइबिल अनुशासन और तर्क की आवश्यकता होती है।

वास्तव में, जब उन्होंने मेरे काम को देखा, और मुझे लगता है कि उन्होंने जो कहा वह एक सतही नज़रिया था, तो उन्होंने कहा कि मैं उनसे सहमत हूँ। मेरे पास एक ज्ञानपूर्ण दृष्टिकोण था। हाँ, मेरे पास एक ज्ञानपूर्ण दृष्टिकोण है, लेकिन यह उसी क्षेत्र में नहीं है।

यह उस बॉलपार्क में एक और आधार नहीं है, आप जानते हैं? और इसलिए, जबकि मैं वास्तव में उनके काम की सराहना करता हूँ, उस समय उन्होंने जो किया, उसमें कुछ ऐसी चीज़ें हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए जो बुद्धिमान होने के अर्थ के बारे में बेहद महत्वपूर्ण हैं। और अगर मैं उस तक नहीं पहुँच पाया, तो हम इसे खोदकर निकाल लेंगे। ठीक है।

ज्ञान पर कुछ चुनिंदा पठन सामग्री और कुछ ग्रंथ सूची है, कुल मिलाकर बहुत ही कम, लेकिन आप बाइबिल के ज्ञान को देखना शुरू कर सकते हैं। इस पर ग्रंथ सूची बनाने के लिए हमें 20 पृष्ठों की आवश्यकता होगी। यह एक बहुत बड़ा डोमेन है।

बाइबल में बुद्धि, साहित्य और बाइबल में बुद्धि, भले ही यह किसी बुद्धि की किताब में न हो, यह बहुत बड़ी है। इसके बाद, इन सबका निष्कर्ष क्या है? पुराने नियम के निष्कर्ष और परमेश्वर की इच्छा। यह वही है जो यशायाह ने 816 में कहा था, गवाही को बाँधो, मेरे शिष्यों के बीच व्यवस्था को मुहरबंद करो।

वहाँ ध्यान केन्द्रित करें। यदि आप इस बारे में किसी भविष्यवक्ता से बात करते हैं और कहते हैं, आप जानते हैं, श्री यशायाह, मैं रेगिस्तान में जाना चाहता हूँ और प्रार्थना करना चाहता हूँ ताकि भगवान मुझे बता सकें कि मुझे क्या करना है। यशायाह नौसेना जांच सेवाओं के एनसीआईएस कार्यक्रम पर गिब्स की तरह है। आप जानते हैं, उसे सिर पर थप्पड़ मारा गया है।

यशायाह कहेगा, नहीं, कानून और गवाही के लिए, रेगिस्तान और अपने भक्ति जीवन के लिए नहीं, क्योंकि यह आपका अपना है, यह आप ही हैं जो खुद से बात कर रहे हैं। आपको परमेश्वर के वचन और मूल्यों और विश्वदृष्टि और मूल्यों के साथ गहराई से जुड़ने की ज़रूरत है जो यह प्रदान करता है और यह दुनिया में कैसे काम करता है। यशायाह 819, और जब वे तुमसे कहेंगे, उन लोगों की तलाश करो जिनके पास परिचित आत्माएँ हैं।

यह दूसरा भविष्यवाणी क्षेत्र है। और जादूगर जो चहकते और बड़बड़ाते हैं। मैंने इस तरह के कुछ उपदेश सुने हैं।

क्या लोगों को जीवितों के लिए अपने परमेश्वर की खोज नहीं करनी चाहिए? क्या उन्हें मृतकों की खोज करनी चाहिए? और, बेशक, इसका उत्तर है नहीं। और फिर वह व्यवस्था और गवाही से कहता है, यदि वे इस वचन के अनुसार नहीं बोलते हैं, तो निश्चित रूप से उनके लिए कोई प्रकाश या सुबह नहीं है। वे इस वचन के अनुसार नहीं बोलते हैं।

और मैं ऐसे बहुत से लोगों से मिलता हूँ जो कहते हैं, ठीक है, ये आवाज़ें जो मुझे मेरे दिमाग में सुनाई देती हैं कि मुझे क्या करना चाहिए, मुझे लगता है कि ये ईश्वर की आवाज़ हैं, ये कभी भी ईश्वर के वचन का उल्लंघन नहीं करती हैं। बेशक, वे ऐसा नहीं करते हैं। क्योंकि आप जानते हैं कि ईश्वर का वचन क्या कहता है, कम से कम सेलेक ने तो यही कहा, आप कोई मूर्खतापूर्ण काम नहीं करने जा रहे हैं, लेकिन आपका प्रतिमान गलत है।

मुझे खेद है। आपको धर्मग्रंथों से एक परिवर्तित मन में शुरुआत करनी होगी, जो आपको विश्वदृष्टि और मूल्य प्रदान करता है, और आप उन्हें जीवन में लागू करते हैं। और यह सीखने, संशोधन करने, बेहतर जानने और आगे बढ़ने की एक आजीवन प्रक्रिया है।

मेरा मानना है कि परमेश्वर ने इसे इसी तरह से बनाया है। तो यही पुराना नियम है और परमेश्वर को प्रसन्न करने, परमेश्वर की इच्छाओं को पूरा करने, परमेश्वर को प्रसन्न करने और उसके

उद्देश्यों को पहचानने की अवधारणा है। पुराने नियम में परमेश्वर की इच्छा को जानना विश्वदृष्टि और मूल्यों का विषय था, कानून और गवाही से लेकर जीवन तक।

नीतिवचन की पुस्तक इसका उदाहरण है। पुराने नियम पर इन दो भागों को सुनने और परमेश्वर की इच्छा जानने के लिए आपका धन्यवाद। हमारा अगला व्याख्यान, जो आपकी विषय-सूची में है और जिसका आपको हमेशा पालन करना चाहिए, व्याख्यान 5 होगा। अब, व्याख्यान 4 A और B है। व्याख्यान 5, नए नियम में परमेश्वर की इच्छा, वह है जिसे हम आगे देखेंगे।

तो अपनी स्लाइड्स निकालिए, अपने नोट्स निकालिए, और हम अगले वीडियो में इस पर चर्चा करेंगे। आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद।